पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 01 | अंक: 20 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, रविवार 22 जनवरी, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ वृद्धजन सम्मान समारोह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

नगरपालिका चौमूं के कांग्रेस बोर्ड के 2 वर्ष हुए पूर्ण

जयपुर (संस्कार सृजन) । नगरपालिका चौमूं के कांग्रेस बोर्ड के 2 वर्ष का कार्यकाल सफलता पूर्ण होने एवं चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी के जन्म दिवस के अवसर पर सामोद रोड मोहन वाटिका में वृद्धजन सम्मान समारोह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। वृद्धजन सम्मान समारोह में 1500 से अधिक महिला व पुरुष वृद्धजनों का सम्मान शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी के जन्मदिन पर आयोजित समारोह में चौमूं विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण एवं नगर पालिका क्षेत्र से पधारे हजारों लोगों ने चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी का माला साफा पहनाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

चेयरमैन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने उमड़ा जनसैलाब – समारोह में चौमूं क्षेत्र से ही नहीं अपितु अन्य शहरो आमेर, शाहपुरा, विराटनगर, बस्सी, जयपुर, सीकर, खंडेला, श्रीमाधोपुर, रेनवाल सहित जयपुर ग्रामीण के विधानसभा क्षेत्रों से शुभकामनाएं देने के लिए लोग पहुंचे। यहां शुभकामनाएं देने वालों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंच पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। हर कोई यह चाह रहा था कि पहले मैं शुभकामनाएं दे दूं, काफी भीड़ होने के बावजूद भी लोगो ने बारी-बारी से चेयरमैन को माला साफा पहनाकर स्वागत सत्कार करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

चेयरमैन ने परिवार सहित वृद्धजनों का शॉल ओढ़ाकर किया सम्मान – समारोह में पहुंचे हजारों वृद्ध जनों का सम्मान कम समय में एक साथ हो पाना मुश्किल था। ऐसे में वृद्ध जनों का सम्मान खुद अकेले चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने ही नहीं किया अपितु चेयरमैन की धर्मपत्नी ने भी वृद्धजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान करते हुए दिखी। साथ ही पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, पार्षद गणो ने भी वृद्धजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। वृद्ध जनों ने सम्मान पाकर चेयरमैन को आशीर्वाद देते हुए दीर्घायु की कामना की।

वृद्धजन सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन विष्णु सैनी ने कहा कि बुजुर्गों के त्याग और तपस्या के कारण ही वर्तमान पीढ़ी सामर्थ्यवान बन सकी है, बुजुर्गों का ईश्वर के रूप में सम्मान करना चाहिए। बुजुर्गों के आशीर्वाद व मार्गदर्शन से ही जीवन में उन्नति व खुशहाली है, इसलिए बुजुर्गों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। बुजुर्गों के बिना जीवन अधूरा है। उन्होंने वृद्धजनों के लिए गहलोत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं पर किए जा रहे नवाचारों की भी जानकारी

दी। चेयरमैन ने कहा कि वृद्धावस्था में सबसे अधिक आवश्यकता स्नेह की होती है। हर महत्वपूर्ण अवसर पर हमें वृद्धजनों के अनुभवों का लाभ लेना चाहिए।

समारोह में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जहां रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व मूमेंटो देकर उनका हौसला अफजाई किया और कहा कि रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है, यह सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है।

चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने जन्मदिवस पर दिन की शुरुआत अपने परिवार सहित आराध्य देव गणेश मंदिर में मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया। चेयरमैन ने भगवान गणेश से प्रार्थना कर विधानसभा क्षेत्र की सुख-शांति व खुशहाली की मन्नत मांगी। इसके बाद गौशाला में जाकर गायों को हरा चारा व गुड खिलाया। चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी के जन्मदिवस पर लोगों के द्वारा कई स्थानों पर माला व साफा पहनाकर और केक कटवाकर जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दी।

समारोह में युवा नेता रामकिशोर सैनी की टीम ने चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी 51 किलो की माला पहनाई व सोशल मीडिया टीम ने 51 मीटर का साफा पहनाया। यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा चेयरमैन के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस नेता वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पदाधिकारी, यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई के कार्यकर्ता सहित हजारों आमजन मौजूद रहे। मंच का संचालन कवयित्री दीपा सैनी ने किया।

सोनी परिवार ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर चौमूं सीएचसी में बांटे कम्बल

जयपुर (संस्कार सृजन)। मकर संक्रांति के अवसर पर चौमूं के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भामाशाह व समाजसेवी चंद्र प्रकाश सोनी और पवन सोनी द्वारा अपने पिताजी स्वर्गीय रूडमल सोनी की प्रथम पुण्यतिथि पर मरीजों के सर्दी के बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए । सीएचसी प्रभारी अजीत सिंह शेखावत ने दोनों भामाशाहों चंद्र प्रकाश व पवन सोनी का माल्यार्पण कर स्वागत किया और कहा कि मकर संक्रांति पर दान पुण्य का विशेष महत्त्व होता है । इस अवसर पर डॉक्टर मान प्रकाश सैनी, डॉक्टर बी एल यादव, डॉ. राजेंद्र कुमावत, डॉ मुकेश रिजवानिया, डॉक्टर जयंत जैन, डॉक्टर अंकित बाबल, नर्सिंग अधिकारी रिद्धिकरण, झाबरमल, देवदत्त, बुद्धि प्रकाश मीणा, सुनील कुमार सैनी, नर्सिंग ऑफिसर दीपमाला, गिरधारी , लैब टेक्नीशियन फौजी , सुरेंद्र निठारवाल, वीरेंद्र सैनी, आयुष सैनी आदि मौजूद रहे ।

विधायक रामलाल शर्मा ने किया 251 लोगों को कंबल वितरण

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं विधायक रामलाल शर्मा ने आरटीओ ऑफिस के सामने स्थित हाथी टीबा बी विकास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कॉलोनी के करीब 251 लोगों को कंबल वितरण किए । इससे पूर्व समिति पदाधिकारियों ने विधायक रामलाल शर्मा का 51 किलो की माला और साफा पहनाकर स्वागत किया । विधायक शर्मा ने कहा कि मकर संक्रांति के दिन दान पुण्य बहुत जरूरी है । इस दौरान पार्षद प्रत्याशी महेश शेरावत, समिति अध्यक्ष श्रवण चौधरी, कोषाध्यक्ष हीरालाल सैनी, नरसी राम मीणा, अजय कुमार मीणा, मोहन मीणा, उमेद सिंह मीणा, राजू प्रजापत, पप्पू , रामस्वरूप नायक, नानूराम प्रजापत, सूरज सैनी आदि लोग मौजूद रहे ।

मातृभूमि सेवा संगठन ने किया वृक्षमित्र डॉ. सोनी का स्वागत सम्मान

उत्तराखंड (संस्कार सृजन)। डोईवाला थानों रामनगर डांडा में मातृभूमि सेवा संगठन ने चिंतन शिविर का आयोजन किया । इस चिंतन शिविर के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला, विशिष्ठ अतिथि रानीपोखरी थाना प्रभारी शीशपाल सिंह राणा व प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी, मदनमोहन सेमवाल रहे। मातृभूमि सेवा संगठन के चिंतन शिविर में मुखवक्ता के रूप में पहुंचे ख्याति प्राप्त पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी का स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। संगठन अध्यक्ष अमिल कुकरेती ने कहा की सोनी विगत तीस सालों से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन में लगे हैं । इस प्रकृति को संजोने के लिए डॉ. सोनी प्रकृति के रंग में रंग गये और वैसे ही हरे रंग के वस्त्र धारण कर लिए है। विधायक बृज भूषण गैरोला ने कहा वृक्षमित्र डॉ. सोनी के पहनावे से पता चलता है कि वे प्रकृति की सेवा में कितने त्याग, समर्पण कर रहे हैं । इसकी सीख हमारी नई पीढ़ी को भी लेनी चाहिए, तभी हमारे

पर्यावरण का संरक्षण होगा। संगठन संरक्षक जगदीश ग्रामीण ने कहा इस धरती की सेवा सबसे बड़ी सेवा है । हमारे आह्वान पर मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी जिन्होंने अपना पूरा जीवन इस प्रकृति के लिए समर्पित किया है, ऐसे धरती रत्न को जन्म दिया है, इस प्रकृति ने। उनके द्वारा शुरु किया गया अतिथियों को पौध उपहार में देना, दुल्हा दुल्हन को शगुन में पौधा भेंट करना तथा जन्मदिन पर पौधा लगवाना, वृक्षमित्र की 30 सालों की मेहनत है जो आज समाज में दिखाई दे रही है । हमारी आनेवाली पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि हमारे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। मदनमोहन सेमवाल ने कहा कि निरन्तर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश भी जन जन को दे रहे हैं। कार्यक्रम में जगबीर नेगी, पवन मनवाल, डॉ. सुशील कोटनाला, कुलदीप रावल, अंकित तिवारी, महेश कोठारी, मनीष तिवारी, योगेश कोठारी, मुकेश बहुगुणा, संदीप नेगी, राहुल तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

811 वें उर्स 2023 में सम्मिलित होने वाले पाक जायरीनो के सम्बन्ध में गृह विभाग ने जारी किये दिशानिर्देश

जयपुर(नि.सं.)। गृह (ग्रुप–4) विभाग ने ख्वाजा मोईनुद्दीन चिस्ती के 811 वें उर्स की तमाम तैयारियों को लेकर दिशानिर्देश जारी किये है। गृह (ग्रुप–4) विभाग के शासन उप सचिव राजेश जैन ने बताया कि जिला कलेक्टर और पुलिस प्रशासन को उर्स में भाग लेने वाले पाक जायरीनों की सुरक्षा और तमाम व्यवस्थाओ के सम्बन्ध में दिशानिर्देश जारी ।

संस्कार सृजन

समाचार पत्र की और से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

संपादकीय

पर्याप्त बजट की प्रतीक्षा में शिक्षा जगत

किसी भी राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में मजबूत शिक्षा प्रणाली का बड़ा महत्व होता है। इसी के चलते भारतीय संविधान ने देश के छह से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का मूल अधिकार दिया है। साथ ही शिक्षा जैसे विषय को संविधान की समवर्ती सूची में स्थान दिया गया है, ताकि जब भी जरूरत महसूस हो केंद्र और राज्य अपने-अपने स्तरों पर शिक्षा जगत की बेहतरी के लिए त्वरित फैसले ले सकें। इसके बावजूद शिक्षा तंत्र की मजबूती के लिए सार्थक कदम उठाने के प्रति केंद्र या राज्य सरकारों की उदासीनता समझ से परे है। देखा जाए तो भारत में आरंभ से ही शिक्षा पर तुलनात्मक रूप से सार्वजनिक व्यय कम रहा है। अधिकांश राज्य अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.5 से 3.2 प्रतिशत तक ही शिक्षा पर खर्च करते हैं। 1964 में ही कोठारी आयोग ने सरकार को शिक्षा पर खर्च को बढ़ाकर जीडीपी के छह प्रतिशत करने की सिफारिश की थी, लेकिन पांच दशक बाद भी देश का शिक्षा बजट जीडीपी के 3.5 से ज्यादा नहीं रहा है। यद्यपि नई शिक्षा नीति में भी शिक्षा बजट को जीडीपी के छह प्रतिशत तक करने की बात दोहराई गई है। पिछली सदी के सातवें दशक में जहां चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने शिक्षा में बहुत अधिक खर्च किया, वहीं हमारा शिक्षा क्षेत्र आज तक उचित बजट की बाट जोह रहा है। अब तो भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी भी समय के साथ कई गुना बढ़ गई है।यह सही समय है कि हम शिक्षा में अधिक निवेश करें, क्योंकि हमारे देश की 50 प्रतिशत आबादी की आयु 25 वर्ष से कम है। अन्य देशों की तुलना में हम युवा हैं। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के साथ ही युवाओं को नए कौशल प्रदान करने के लिए भी योजनाओं पर अधिक खर्च करने की जरूरत है, जिससे वे रोजगार के अवसरों के योग्य बन सकें। शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जहां निवेश के कई सकारात्मक प्रभाव होते हैं। जब कार्यबल अधिक कुशल बनेगा, तब आर्थिक विकास की गति को बल मिलेगा, सामाजिक बुराइयां कम होंगी और महिलाएं भी सुरक्षित होंगी। परिणामस्वरूप देश का तेजी से विकास होगा।प्रारंभिक शिक्षा बच्चे के जीवन में महत्वपूर्ण होती है। इसलिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा पर ध्यान देना प्रत्येक युवा मस्तिष्क के हित में है। हमें एक युवा देश होने पर गर्व है, लेकिन देश की आबादी लंबे समय तक युवा नहीं रहेगी। इसलिए आम बजट में शिक्षा पर खर्च को अविलंब बढ़ाया जाना चाहिए। आज भी अगर देश के 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क अनाज दिया जा रहा है तो निश्चित ही यह जनसंख्या अकुशल है। जब इनके पास खाने के लिए ही नहीं है तो ये नए कौशल कहां से सीखेंगे। यह समय स्किल, रीस्किल और अपस्किल का है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में कार्यकुशलता के अभाव के चलते 67 प्रतिशत से अधिक नए स्नातक अपने प्लेसमेंट-रोजगार के लिए संघर्ष करते हैं। ऐसे में उचित होगा कि देश एवं प्रदेश में चल रही विभिन्न मुफ्तखोरी की योजनाओं का पैसा शिक्षा क्षेत्र की मजबूती में लगाया जाए। आज देश में शिक्षकों के लगभग 40 प्रतिशत पद खाली हैं। इसके अलावा शिक्षकों पर बहुत सारे गैर-शिक्षण कार्यों का बोझ होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार शिक्षकों का लगभग 65 प्रतिशत समय गैर-शिक्षण कार्यों में व्यतीत होता है।

जानें क्या होता है फिरोजा रत्न और इसे धारण करने से होने वाले फायदे

फिरोजा एक रत्न होता है जिसे माले व अंगूठी दोनों के रूप में पहना जा सकता है। फिरोजा को पुखराज का उपरत्न कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र की मानें तो इसे धारण करने से कभी किसी का कोई नुकसान होता नहीं देखा गया है। यही वजह है कि इसे कोई भी पहन सकता है। बता दें कि फिरोजा आसमानी रंग का रत्न होता है। चलिए जानते हैं इसकी अंगूठी पहनना ज्यादा शुभ माना गया है या फिर इसकी माला पहनना ज्यादा शुभ है।

फिरोजा पहनने से होते हैं ये फायदे

◆ फिरोजा रत्न पहनने से बहुत से फायदे होते हैं। इन्हीं में से एक है बृहस्पति ग्रह का बलवान होना। यदि आपका बृहस्पति कमजोर है तो इस रत्न को धारण करने से वह बलवान हो जाएगा।

◆ यदि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर महसूस करता है या उसके अंदर कॉन्फिडेंस नहीं है तो उसे फिरोजा धारण करना चाहिए।

◆ यदि किसी का दांपत्य जीवन सुख से नहीं बीत रहा है तो उसे भी फिरोजा धारण करना चाहिए। इससे वैवाहिक जीवन में खुशियां भर जाती हैं।

◆ यदि व्यक्ति के सामाजिक व पारिवारिक मान-सम्मान में कोई कमी है तो उसे भी फिरोजा धारण कर लेना चाहिए। इससे फायदा मिलेगा।

◆ फिरोजा पहनने से भाग्य भी खुलता है। यदि आपको लगता है कि आपका भाग्य अच्छा नहीं है तो आपको ये रत्न धारण करना चाहिए।

◆ यदि नौकरी या व्यापार में सफलता नहीं प्राप्त हो पा रही है तो ये रत्न धारण करने से आपको मदद मिलेगी। इसके अलावा करियर में भी सफलता हासिल होगी।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

अगर आप में भी हैं ये आदतें तो आज ही बदल लें, खुल जाएगी किस्मत

हर इंसान अपने आप में एक अलग व्यक्तित्व रखता है। इन्हीं आदतों के तहत वो अपनी नियमित दिनचर्या में वैसे ही काम करता है। वास्तु शास्त्र और ज्योतिष बताते हैं कि ऐसे मनुष्य अपनी आदतों की वजह से ही जीवन में उन्नति या अवनति प्राप्त करते हैं। देखने में यह आदतें बेहद छोटी लगती हैं, मगर जीवन पर इनका प्रभाव काफी गहरा होता है।

शास्त्रों के मुताबिक अगर आपकी आदतें इनके अनुकूल नहीं हैं तो यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है। इतना ही नहीं इन आदतों की वजह से घर में वास्तु दोष भी उत्पन्न होते सकते हैं, जिसे माता लक्ष्मी एवं देवी अन्नपूर्णा नाराज हो सकती हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसी कौन सी हैं वो तीन आदतें जिन्हें आपको तुरंत सुधार लेना चाहिए-

1. रात में जूठे बर्तन और किचन गंदा न छोड़ें कई लोगों के घरों में देखने को मिलता है कि वो रात के खाने के बाद जूठे बर्तन और रसोई घर को वैसे ही छोड़ देते हैं और उसे साफ नहीं करते। रातभर रसोई घर का गंदा बने रहना अच्छा नहीं माना जाता और इससे से वास्तु दोष लग सकता है। किचन को मां अन्नपूर्णा का स्थान माना जाता है, ऐसे में उसे कभी भी गंदा नहीं रखना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो परिणाम स्वरुप आपको आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसलिए आपको इस आदत को तुरंत बदल देना चाहिए और रात में ही जूठे बर्तन और किचन को साफ करके सोना चाहिए।

2. बिस्तर पर बैठकर न खाएं खाना टीवी और मोबाइल देखते हुए भोजन करना बहुत लोगों की आदत होती है। लेकिन कुछ लोगों को बिस्तर पर बैठकर खाने की बुरी आदत भी होती है। जी हां, यह बहुत ही बुरी आदत है, जिसे आपको तुरंत बदल लेनी चाहिए।

वास्तु शास्त्र में बिस्तर पर बैठकर भोजन करने को शुभ नहीं माना जाता क्योंकि इससे दोष तो लगता ही है साथ ही घर में नकारात्मकता भी आती है। साथ ही मां अन्नपूर्णा के अपमान के साथ-साथ धन हानि भी होती है। इसलिए हमेशा कोशिश करें तो खाना या तो डाइनिंग टेबल पर खाएं या फिर फर्श पर बैठकर। यहीं भोजन का सही तरीका है और इसके शारीरिक लाभ भी हैं।

3. रात में भूलकर न धोएं कपड़े बहुत से लोग दिनभर भागदौड़ कर के सारा काम निपटा लेते हैं, मगर कपड़ो धोने की बारी आती है तो उसे रात के लिए छोड़ देते हैं। मगर वास्तु के हिसाब से इसे गलत माना जाता है। लगातार रात में कपड़े धोने के कारण घर में नकारात्मकता बढ़ती है और घर की सुख, शांति और समृद्धि धीरे-धीरे भंग होने लगती है। नकारात्मकता शक्तियों की ऊर्जा बढ़ने लगती है और सकारात्मकता कम होती है। इसलिए हमेशा कोशिश करें कि रात में कपड़े धोने की जरूरत ना पड़े।

किस तरह के व्यक्ति होते हैं ज्ञानी, ऐसे इंसान की संगति से रहें दूर

महाभारत काल से ही महात्मा विदुर की कही बातें लोग मानते आ रहे हैं। विदुर उस काल के बुद्धिजीवियों में से एक थे जिनके अंदर दूरदर्शिता भी थी। अपनी दूरदर्शिता की वजह से वे होने वाली घटनाओं के बारे में पहले से ही आभास कर लेते थे। महाभारत काल में विदुर और धृतराष्ट्र के बीच हुई बातों को ही विदुर नीति का नाम दिया गया है। विदुर नीति में हर तरह के व्यवहार के व्यक्ति का वर्णन है। आज हम विदुर नीति की सहायता से जानेंगे कि किस तरह के व्यक्ति बहुत बुद्धिमान होते हैं।

ऐसे व्यक्ति होते हैं ज्ञानी विदुर नीति के मुताबिक जो ज्ञानी व्यक्ति होते हैं वे बेकार की बातें न तो करते हैं और न ही वे बेकार की बातों में पड़ते हैं। वे सफल होने के बाद ही दूसरे को अपने कार्य के बारे में जानकारी देते हैं। ज्ञानी व्यक्ति दूसरों की बात को धैर्य से सुनते हैं और उनके विषय को समझने की कोशिश करते हैं। दूसरे के विषय को समझने के बाद ही ज्ञानी व्यक्ति अपनी राय देते हैं। वे कार्य को पूर्ण करने के लिए सही रास्ता चुनते हैं। वे अपनी बुद्धि से चलते हैं और इसलिए ऐसे व्यक्ति हमेशा ही सफल होते हैं।

इनसे रहें दूर विदुर नीति की मानें तो हमें समाज में कुछ व्यक्तियों से बच कर भी रहना चाहिए। हमें जिन व्यक्तियों से बच कर रहना चाहिए उनमें लापरवाह, आलसी, क्रोधित और अनैतिक इंसान शामिल है।

इस दिन बिल्कुल भी न खरीदें झाड़ू, वरना हो जाएंगे कंगाल

आमतौर पर घर की साफ-सफाई करने के लिए झाड़ू का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन हिंदू मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए कहा जाता है कि झाड़ू इस्तेमाल करते कुछ नियमों का जरूर ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि गलत तरीके से झाड़ू इस्तेमाल करने से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसी क्रम में झाड़ू खरीदते वक्त मुहूर्त, दिन का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। क्योंकि गलत समय में खरीदी गई झाड़ू कई समस्याओं को जन्म दे सकती है। आइए जानते हैं कि झाड़ू किस दिन बिल्कुल भी नहीं खरीदनी चाहिए।

इस दिन न खरीदें झाड़ू

शनिवार वास्तु शास्त्र के अनुसार, शनिवार के दिन झाड़ू नहीं खरीदनी चाहिए। इससे आर्थिक हानि का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि शनिवार भगवान शनि का दिन माना जाता है। इसलिए इस दिन झाड़ू खरीदने या पुरानी फेंकने से शनि दोष का सामना करना पड़ता है।

सोमवार सोमवार के दिन भी झाड़ू नहीं खरीदनी चाहिए। क्योंकि सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है।

शुक्ल पक्ष झाड़ू कभी भी शुक्ल पक्ष के दौरान नहीं खरीदनी चाहिए। ऐसा करने से आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इस दिन झाड़ू खरीदने को दुर्भाग्य का सूचक माना जाता है।

किस दिन न फेंके झाड़ू झाड़ू खरीदने की तरह की फेंकने का भी एक मुहूर्त होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार झाड़ू कभी भी गुरुवार, शुक्रवार के दिन नहीं फेंकना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी का अपमान होता है। जिसके कारण आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

किस दिन फेंके झाड़ू वास्तु शास्त्र के अनुसार, पुरानी झाड़ू को शनिवार, अमावस्या, होलिका दहन या फिर ग्रहण के बाद फेंकना शुभ माना जाता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि- मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे। खर्च में वृद्धि हो सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी, नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

वृष राशि- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें, माता से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि- मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

कर्क राशि- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। स्थान परिवर्तन भी संभव है। मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे लेकिन अतिउत्साही होने से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना भी बन रही है।

सिंह राशि- भवन सुख का विस्तार होगा, मात-पिता का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें, स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। घर में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग भी बन रहे हैं।

कन्या राशि- स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। नौकरी व कार्यक्षेत्र में विस्तार हो सकता है। मानसिक शांति तो रहेगी लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि संभव है, आय में भी वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी संभावित है।

तुला राशि- मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन हो सकता है।

आय में वृद्धि होगी, संचित धन भी बढ़ेगा लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि- अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में शांति रहेगी, वाहन सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी लेकिन क्रोध की भी अधिकता रहेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

धनु राशि- मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें।

नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं, इच्छाविरुद्ध कुछ नए कार्यों की जिम्मेदारी मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर राशि- संपत्ति से आय में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है, स्थान परिवर्तन भी संभव है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की की संभावनएं बन रही हैं, अफसरों का सहयोग

मिलेगा। आय में वृद्धि होगी, वाहन सुख का विस्तार संभव है।

कुंभ राशि- वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। घर-परिवार में धार्मिक संगीत के कार्य होंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, लेखनादि कार्यों से आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं ।

मीन राशि- धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे, संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन मन में असंतोष भी रहेगा। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से धन की प्राप्ती हो सकती है, यात्रा लाभप्रद रहेगी।

महात्मा गाँधी व सुभाष चन्द्र बोस

23 जनवरी, जन्मदिवस विशेष

असहयोग आंदोलन के दौरान सुभाष बोस ने प्रिन्स ऑफ वेल्स के बहिष्कार के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। 1921 में उन्हें गिरफ्तार कर 6 महिने की कैद की सजा दी गई। जेल से छूटने के बाद उन्होंने स्वराज्य पार्टी में काम किया। वे बंगाल प्रदेश कांग्रेस में मंत्री बने व साइमन कमीशन के विरूद्ध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। मद्रास कांग्रेस अधिवेशन में उन्हें कांग्रेस कार्यकारीणी में लिया गया। 1939 में त्रिपुरा कांग्रेस के अधिवेशन में सुभाष चन्द्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। सुभाष ने जर्मनी के राजदूत से कलकत्ता में भेंट की और आश्वासन दिया की विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी कांग्रेस के समर्थन की आशा रख सकता है। गांधी नहीं चाहते थे की कांग्रेस जर्मनी को समर्थन दे। 1940 में जर्मनी ने अनेक देशों पर विजय प्राप्त की एवं ब्रिटिश क्षेत्र पर भी हमले प्रारम्भ कर दिये। कांग्रेस ने पुना में कुछ शर्तों के साथ ब्रिटिश सरकार को सहायता देने का निर्णय किया। गांधीजी इंग्लैण्ड के संकट को भारत का अवसर नहीं समझते थे जबकि सुभाष द्वितीय युद्ध को भारत के लिए वरदान समझते थे।

डॉ. सत्यनारायण सिंह
रिटायर्ड आईएएस

1942 में कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन चलाया। मुम्बई कांग्रेस की बैठक में प्रस्ताव लिया गया की भारत में ब्रिटिश शासन का तुरन्त अन्त होना चाहिए। मांग न मानने पर सरकार गांधीजी के नेतृत्व में अहिंसात्मक संघर्ष चलाएगी। यह भी कहा गया की सरकारी दमन नीति के कारण यदि गांधी का नेतृत्व न रहे तो प्रत्येक व्यक्ति अपना नेता होगा।

गांधीजी ने उपवास किया। यह आंदोलन सफल नहीं हुआ परन्तु भारतीय स्वतंत्रता की पृष्ठभूमि तैयार हो गई परन्तु धीरे-धीरे सुभाष एवं गांधीजी के मतभेद बढ़ते गये। सुभाष चन्द्र बोस पं. जवाहरलाल नेहरू के सम्पर्कमें आये तथा उनके साथ कांग्रेस में युवकों की इन्डीपेंडेंस लीग प्रारम्भ की।कांग्रेस का नरम व्यवहार पंसद नहीं आया, यद्यपि कांग्रेस के दो बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। जवाहर लाल नेहरू के प्रयासों के बावजूद उनके गर्म और तीखे तेवर कायम रहे, महात्मागांधी के प्रिय सेनानी नहीं बन सकें। त्रिपुरा अधिवेशन में प्रस्ताव रखा कि ब्रिटिश सरकार को अल्टीमेटम दिया जाय कि 4 माह में भारत को स्वतंत्रता दे अन्यथा भारत को ब्रिटेन के विरूद्ध सैनिक सहायता लेनी चाहिए। महात्मा गांधी व पं. नेहरू ने इसका विरोध किया। अतः यह प्रस्ताव पास नहीं हो सका। तीव्र मतभेदों के कारण सुभाष चन्द्र बोस ने अप्रेल 1939 में कांग्रेस से त्यागपत्र देकर ''फारवर्ड ब्लाक'' का गठन किया। द्वितीय विश्व युद्ध छिडने पर फरवर्ड ब्लाक ने अंग्रेजों के विरूद्ध जंगी तैयारियां प्रारम्भ कर दी। सुभाष चन्द्र बोस को 1940 में बंदी बनाया गया। सुभाष चन्द्र बोस धार्मिक और समाजवादी उग्रवादी नहीं थे।उन्होंने विभिन्न शक्तियों को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरूद्ध एकत्रित करने का प्रयास किया। धर्म को राजनीति से नहीं जोड़ा। उन्हें वामपंथी शक्तियों का वक्ता माना गया परन्तु उन्होंने मार्क्सवाद की आर्थिक विचारधारा का समर्थन नहीं किया। वे गांधीवादी अति आदर्शवाद के भी आलोचक थे। उनके अनुसार गांधी एक ही समय में सामंत ओर किसान, पूंजीपति और श्रमिक, द्विज और अद्विज के हितों का रक्षक बनना चाहते थे, उनके कार्य संचालन की एक ही विधि सत्याग्रह है।

सुभाष चन्द्र बोस ने गांधी के अस्पष्ट स्वरूप की कड़ी आलोचना की तथा लोगो से आग्रह किया कि वे गांधी के चक्कर से बचे, परन्तु गांधी के प्रति सम्मान व श्रद्धा थी सुभाष चन्द्र बोस ने गांधीवाद के अनुसरण की आलोचना की और साम्राज्यवादी शक्तियों के विरूद्ध संघर्ष करने की अपील की। फारवर्ड ब्लाक का प्रमुख सिद्धांतथा ''पूर्ण राष्ट्रीय स्वतंत्रता, साम्राज्यवाद के विरूद्ध संघर्षमें, आलोचनात्मक दृष्टिकोणसे, आधुनिक समाजवादी राज्य की स्थापना, देश में बड़े पैमाने पर आर्थिक उत्पादन एवं वितरण पर स्वामित्व और नियंत्रण, धार्मिक मामलों में व्यक्ति की स्वतंत्रता, समान अधिकार, भाषाई एवं सांस्कृतिक स्वतंत्रता, समानता और सामाजिक न्याय।''

सुभाष चन्द्र बोस मानते थे कि संघर्ष द्वारा ही आजादी प्राप्त की जा सकती है, अंग्रेज नैतिक दबावों व अहिंसक प्रतिरोध के विरूद्ध घुटने नहीं टेकेंगे । उनका विचार था यद्यपि राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी सदस्यों का लक्ष्य एक ही था, परन्तु गांधी के संघर्ष के ऐतिहासिक तरीके से आजादी प्राप्त नहीं की जा सकतीं। सुभाष बोस ने विचारभेद के बावजूद गांधी को सम्मान दिया। उन्हें सबसे पहले राष्ट्रपिता कहने वाले सुभाष चन्द्र बोस ही थे। आजाद हिन्द फोज के ऐतिहासिक रेडियों भाषण में उन्होंने कहा थाआप (गांधी) हमारे देश की वर्तमान जागृति के जनक है दुनियाभर में उन्हें सर्वोच्चसम्मान की दृष्टि से देखा जाता है, पिछली शताब्दी में किसी अन्य भारतीय नेता को ऐसा सम्मान नहीं मिला, जो जीवन भर देश की सेवाकर आधुनिक ताकत से बहादुरी से लड़ा। आपकी (गांधी) उपलब्धियों की सराहना उन देशों में हजार गुना ज्यादा है जो ब्रिटिश साम्राज्य के विरूद्ध है। हमारे राष्ट्रपति भारत की आजादी की पवित्र लड़ाई में आपके आर्शीवादऔर शुभकामनाओं की कामना करता हूँ।

सुभाष चन्द्र बोस राजनैतिक क्षेत्र में उग्रपंथी थे, धार्मिक और सामाजिक सुधारवादी नहीं थे, उन्होंने धर्म को राजनीति से नहीं जोड़ा, यथार्थवादी थे, राजनैतिक एवं सामाजिक उत्थान के बीच साम्यता चाहते थे। परन्तु उन्होंने मार्क्सवाद के आर्थिक विचारों का समर्थन नहीं किया।राजनैतिक यथार्थवादी होने के कारण गांधीवादी आत्यानिक आदर्शवाद के आलोचक थे।गांधी एक ही समय में सामन्त एवं किसान, पूंजीपति तथा श्रमिक, द्विज औरअद्विज के हितों की रक्षाचाहते थे। गांधीवाद में कार्य संचालन की विधि एकमात्र सत्याग्रह था । बोस इससे सहमत नहीं थे।

इस प्रकार सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय आन्दोलन को राजनैतिक स्वतंत्रता, सामाजिक प्रगति, आर्थिक उत्थान, किसी धार्मिक भेदभाव के बिना, बढ़ाना चाहते थे। देश का बहुमुखी विकास व धर्म-निरपेक्ष समाज की स्थापना चाहते थे।जवाहर लाल नेहरू ने महात्मा गांधी व सुभाष चन्द्र बोस को नजदीक लाने व वैचारिक एकता लाने हेतु अथक प्रयास किये परन्तु सुभाष चन्द्र बोस अपने उग्रविचारों पर कायम रहे।

गांधी, सुभाष बोस, नेहरू, पटेल, टैगोर व सभी क्रान्तिकारीयों ने धर्मनिरपेक्षता की भावना पर जोर दिया। गांधी ने तो 1940 में ही स्पष्ट कहा था धर्म को राजनीति से अलग रखना चाहिए, धर्म व्यक्तिगत मसला है राज्य पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष होने के लिए बाध्य है।रविन्द्रिनाथ टैगोर ने कहा था असली चिंता की बात तो यह है कि मुसलमानों को हिन्दुओं के खिलाफ व हिन्दूओं को मुसलमानों के खिलाफ इस्तैमाल किया जाता है। महत्वपूर्ण यह नहीं कि उनका इस्तेमाल कौन करता है शैतान भीतर तभी घुसता है जब उसके आने का रास्ता हो।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

तकदीर का खेल

बात बहुत पुरानी है ! गुजरात के सूरत शहर में मनसुख लाल नाम के एक व्यापारी थे। इनका कीमती रत्न का कारोबार था। इनका कारोबार दुनिया के कई देशों में फैला हुआ था। पूरे सूरत शहर में इनका मान और सम्मान था। मनसुख लाल के दो बेटे थे जिनका नाम रामलाल और श्यामलाल था ।

रामलाल को दौलत और रुतबे का बहुत घमंड था जबकि श्यामलाल एक शरीफ और सुलझा हुआ इंसान था। घमंड के साथ-साथ रामलाल में ईर्ष्या और बईमानी जैसे अवगुण भी थे। समय के साथ-साथ मनसुख लाल की उम्र बढ़ती जा रही थी । ऐसे में उनके दोनों बेटों ने कारोबार में पिता का अधिक से अधिक हाथ बटाना शुरू कर दिया।

प्रभाती लाल सैनी

कुछ समय के पश्चात मनसुख लाल चल बसे और कारोबार का पूरा भार रामलाल और श्यामलाल के कंधों पर आ गया। बड़ा भाई होने के नाते रामलाल ने व्यापारिक फैसलों में अपनी मर्जी की चलानी शुरू कर दी । रामलाल बेईमानी और मक्कारी भरे फैसले लेने लगा। असली रत्न के नाम पर वह नकली रत्न का व्यापार करने लगा, जिससे उसका मुनाफा बढ़ने लगा । इस मुनाफे से उसका बाकी बचा चरित्र भी काला हो गया । दौलत के घमंड में वह परिवार में उन्मादी जैसा व्यवहार करने लगा। दूसरी तरफ शरीफ और सुलझे हुए श्यामलाल को शुरू-शुरू में रामलाल की बेईमानी का इल्म तो नहीं हुआ, परन्तु जब उसने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा तो पूरे माजरे को समझने में उसे ज्यादा देर नहीं लगी ।

रामलाल की करतूतों से श्यामलाल को बड़ा दुःख हुआ। उसने रामलाल को समझाने और सही रास्ते पर लाने की कोशिश भी की, परन्तु वह नाकाम रहा । उल्टे रामलाल श्यामलाल से खफा हो गया और व्यापार में बंटबारे का बहाना ढूंढने लगा । बंटबारे में भी उसने बेईमानी की साजिश रची। घर में कलह का माहौल पैदा किया । अंततः रामलाल अपनी साजिश में सफल रहा और श्यामलाल के हिस्से के व्यापार पर भी वह कब्ज़ा कर बैठा।

रामलाल के व्यवहार से दुखी होकर श्यामलाल ने शहर में दूसरी जगह अपना ठिकाना बनाया और रत्न के अपने व्यापार को नए सिरे से शुरू किया । ईमानदारी की नींव पर शरू हुआ श्यामलाल का व्यापार जल्दी ही चल निकला । एक तरफ जहाँ श्यामलाल की ख्याति देश और विदेश में बढ़ने लगी वहीं दूसरी तरफ रामलाल की करतूतों की पोल खुलने लगी थी ।

नकली रत्न के व्यापार के कारण रत्न बाज़ार में रामलाल की साख को जोरदार धक्का लगा और उसके व्यापार का दायरा सिमटने लगा । अंततः नौबत यहाँ तक आ गई कि बाहर क्या, अपने शहर का भी कोई व्यापारी रामलाल का नाम लेने से भी तौबा करने लगा । अब तो नौबत यहाँ तक आ गई कि रामलाल को धन के अभाव में अपना घर, दूकान, सामान तक बेचना पड़ रहा था । जल्दी ही रामलाल के हाथ से सबकुछ निकल गया और वह परिवार सहित सड़क पर आ गया । अब रामलाल को अपने किए पर पछतावा हो रहा था । परन्तु उसकी तक़दीर ने जो खेल खेल दिया था उससे आसानी से पीछे आना उसके लिए संभव नहीं था । दूसरी तरफ श्यामलाल की तक़दीर का खेल था जिसकी बदौलत वह रंक से राजा बन गया था ।

जब रामलाल की बदहाली की खबर श्यामलाल को लगी तो उसे बड़ा दुःख हुआ । पुरानी बातों को भूलकर वह भागा-भागा अपने बड़े भाई रामलाल के पास पहुंचा और रामलाल के लाख मना करने के बाद भी उसे परिवार सहित अपने पास ले आया । यह भी तक़दीर का ही खेल था कि जिस भाई के साथ रामलाल ने बदसलूकी कर उसे सड़क पर पहुंचा दिया था, वही भाई आज उसे सड़क से उठाकर अपने घर में ले आया था ।

तक़दीर कब किसके साथ क्या खेल खेल दे इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता । हाँ, इतना जरूर है कि आपके कर्म ही आपकी तक़दीर लिखते हैं ।

आमजन को यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज देने के मामले में राजस्थान की स्थिति बेहतरीन

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम सेवक शर्मा ने कहा है कि राजस्थान की मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना वृहद स्तर पर जनसंख्या को कैशलेस चिकित्सा सुविधाओं का लाभ देती है जिसकी बदौलत आमजन को यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज देने के मामले में राजस्थान की स्थिति बेहतरीन है। एनएचए के सीईओ ने बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना और मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए यह बात कही। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि अन्य राज्यों की तुलना में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से राजस्थान की बहुत बड़ी जनसंख्या स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़ी हुयी है और कैशलेस इलाज का लाभ ले रही है। उन्होंने कहा कि यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि कोविड के बाद आमजन के स्वास्थ्य का मुद्दा सबसे महत्वपूर्ण हो गया है।

गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व जारी नेशनल हैल्थ फैमिली हेल्थ सर्वे-5 की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान के 88 प्रतिशत परिवार स्वास्थ्य बीमा योजना से जुडे हुए हैं और इस मामले में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है।

एनएचए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शर्मा ने कहा कि प्रदेश में आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार के स्तर पर लिए जा रहे बेहतरीन निर्णयों का ही परिणाम है कि आमजन की सुविधा के लिए चिरंजीवी योजना के पैकेजेज में काफी गतिशीलता रखी गयी है। उन्होंने स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी द्वारा 90 प्रतिशत से ज्यादा क्लेम मात्र 15 दिन से कम अवधि में निस्तारित किए जाने की सराहना की और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार और चिकित्सा विभाग की पूरी टीम बधाई की पात्र है जो पूर्ण निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा योजना के मामले में पोर्टेबिलिटी लागू करने की दिशा में भी विस्तृत अध्ययन किया जाए ताकि उन लोगों को सुविधा मिल सके जो प्रदेश से बाहर है और उस राज्य में अपना निःशुल्क इलाज करवान चाहते हैं या बाहर के राज्य का कोई व्यक्ति राजस्थान में इलाज करवाना चाहता है। इससे पूर्व आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने ई-रूपये कंसेप्ट को लागू करने की संभावनाओं पर विस्तृत अध्ययन करने, स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थी व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करने में फेस-आईडी का इस्तेमाल करने सहित विभिन्न मामलों में संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होने स्वास्थ्य बीमा योजना बीमा में अनियमितता या फ्रॉड करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

आत्मनिर्भर भारत बनाने में किसान उत्पादक संगठन की होगी महत्वपूर्ण भूमिका-नाबार्ड

अजमेर (संस्कार सृजन)। भारत सरकार के 10 हजार किसान उत्पादक संगठन के गठन संवर्धन हेतु केंद्रीय क्षेत्र की योजना के अंतर्गत नाबार्ड के द्वारा व इंडियन ग्रामीण सर्विसेस के प्रबंधन में गठित पुष्कर किसान समृद्धि प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड मोतीसर, पीसांगन, अजमेर का शुभारंभ नाबार्ड के सीजीएम भज्जू एन रूप के कर कमलों से हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए गोपाल सिंह व मनीष मिटावा ने मंच संचालन करने के साथ आए हुए अतिथियों का स्वागत कंपनी के सदस्यों के द्वारा माल्यार्पण व प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम में सीजीएम ने बताया कि एफपीओ से जुड़कर किसान कृषि लागत कम करके आए बढ़ा सकते हैं, उन्होंने बताया कि एफपीओ टेक्नोलॉजी का उपयोग करके देश के प्रोजेक्ट को अंतराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला सकते हैं । कार्यक्रम में सीजीएम व डीडीएम शिल्पी जैन ने एफपीओ के नवनिर्मित सोलर सिस्टम का रिबन काटकर शुभारंभ किया।

एपीओ के उद्घाटन कार्यक्रम में रामस्वरूप लांबा विधायक नसीराबाद, दिनेश नायक प्रधान, जिला परिषद सदस्य महेंद्र सिंह , पंचायत समिति सदस्य दीपा मेघवंशी, सहायक कृषि अधिकारी कन्हैया लाल सुनारीवाल, गो बड़ौदा से सौरभ , इंडियन ग्रामीण सर्विस संस्था से भास्कर सिंह मुख्य अतिथि रहे। कंपनी के सभी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स व पंकज सैनी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

निम्स यूनिवर्सिटी निदेशक ने किया मालेरा धाम में होने वाले विशाल माघ मेले के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। सर्व सिद्धेश्वर मालेरा धाम में 31 जनवरी को आयोजित होने वाले विशाल माघ मेले के पोस्टर का विमोचन निम्स यूनिवर्सिटी के निदेशक डॉ. पंकज सिंह ने किया ।

इस दौरान डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए आप जैसे संतों का सानिध्य हमें समय -- समय पर मिलता रहना चाहिए । इस दौरान मुकेश शर्मा मानपुरा, अनिल नेगी मानपुरा, मुरारी शर्मा मानपुरा, विकास दुबे, ललित जैन त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे ।

आज का संस्कारित युवा कल का भारत का भविष्य-प्रदीप जय हिंद

उदयपुर (संस्कार सृजन)। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य, संभाग उदयपुर के तत्वाधान सात दिवसीय कब मास्टर फ्लॉक लीडर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पेसिफिक कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन उदयपुर में आयोजित किया जा रहा है। अपनी विद्वता और अपनी वाणी से सबको एक सूत्र में बांधने वाले राजस्थान राज्य के युवा एवं सबसे कम उम्र के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त प्रदीप जय हिंद के निर्देशन में चल रहे सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शिविरार्थीयों को विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अनुराधा सोलंकी जिला प्रशिक्षक उदयपुर, नरपत सिंह, विशाल कुमार अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदीप जयहिंद ने शिविर के दौरान अपने उद्बोधन मे युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि आज का संस्कारित युवा ही कल का भारत का भविष्य है, क्योंकि आज जो देश में घटनाएं हो रही है उनका कारण कहीं न कहीं संस्कारों में कमी है। यदि हमें नए भारत के भविष्य को तैयार करना है तो प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक संस्था में स्काउट गाइड गतिविधियों का संचालन किया जाना परम आवश्यक है। इससे बालक बालिकाओं का सर्वांगीण विकास संभव है। शिविर के दौरान शिविरार्थी खूब उमंग एवं उत्साह से शिविर में भाग ले रहे हैं। यह जानकारी जिला सचिव मदनलाल वर्मा ने दी।

प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अनुराधा सोलंकी जिला प्रशिक्षक उदयपुर, नरपत सिंह, विशाल कुमार अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदीप जयहिंद ने शिविर के दौरान अपने उद्बोधन मे युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि आज का संस्कारित युवा ही कल का भारत का भविष्य है, क्योंकि आज जो देश में घटनाएं हो रही है उनका कारण कहीं न कहीं संस्कारों में कमी है। यदि हमें नए भारत के भविष्य को तैयार करना है तो प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक संस्था में स्काउट गाइड गतिविधियों का संचालन किया जाना परम आवश्यक है। इससे बालक बालिकाओं का सर्वांगीण विकास संभव है। शिविर के दौरान शिविरार्थी खूब उमंग एवं उत्साह से शिविर में भाग ले रहे हैं। यह जानकारी जिला सचिव मदनलाल वर्मा ने दी।

पंडित रविंद्र आचार्य ने किया पक्षी प्रेमी घनश्याम कुमावत का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष व अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने निःस्वार्थ पक्षी उपचार केंद्र के पक्षी प्रेमी घनश्याम कुमावत का सम्मान किया। सम्मान स्वरूप माला पहनाकर सम्मानित किया ।

आचार्य ने बताया कि गत 11 वर्षो से निःस्वार्थ पक्षियों की सेवा करते आ रहे हैं व मकर सक्रांति के पर्व से लेकर लगातार 5 दिन तक कैंप लगाकर पक्षियों की सेवा करते रहते हैं । इनका कार्य बहुत ही सराहनीय है क्योंकि निःस्वार्थ सेवा जो करता है भगवान प्रसन्न रहते हैं उनके जीवन में कभी भी कोई समस्या नहीं आती नहीं कोई ग्रह की चाल उनको परेशान करती है। इस दौरान साथ में मनोनीत पार्षद राजेश वर्मा, पंडित राहुल दाधीच, पंडित राकेश शास्त्री, सुरेश शर्मा, मुकेश शर्मा, राजेंद्र जांगिड़ आदि गणमान्य उपस्थित रहे ।

विराज फाउंडेशन ने आरजीएचएस मेडिकल डायरी का वितरण तहसील स्तर पर किए जाने के लिए सौंपा ज्ञापन

जयपुर (संस्कार सृजन)। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा व प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आरजीएचएस मेडिकल डायरी का वितरण तहसील स्तर पर उप कोषागारो में करने के लिए शिप्रा विक्रम, परियोजना निदेशक आरजीएचएस को ज्ञापन सौंपा ।

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष तिवाडी ने बताया कि सेवानिवृत्त कर्मचारी जिनको आरजीएचएस का लाभ मिल रहा है उनकी आरजीएचएस मेडिकल डायरी जयपुर जिला स्तर पर कोषागारो में वितरित की जा रही है, लेकिन जो वृद्धजन जिला मुख्यालय से दूर रहते हैं उनको शारीरिक समस्याओं के चलते यात्रा करने में सक्षम नहीं है । साथ ही उनका समय व पैसे दोनों बर्बाद होते हैं, जिससे उन्हें मेडिकल डायरी उपलब्ध नहीं होने के कारण वे स्वास्थ्य लाभ से वंचित हो रहे हैं । इसलिए आरजीएचएस मेडिकल डायरी के

वितरण के लिए तहसील स्तर पर स्थित उप कोषागारों को इसके वितरण का कार्य सौंपा जाए, जिससे वृद्धजन अपनी आरजीएचएस स्वास्थ्य डायरी बनवाकर इसका लाभ प्राप्त कर सके । इस पर परियोजना निदेशक आरजीएचएस ने तुरंत उपकोषागारो को स्वास्थ्य डायरी वितरण करने के आवश्यक निर्देश जारी किए ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com